भारतीय जन संचार संस्थान
नई दिल्ली

भारतीय जन संचार संस्थान के मुख्य उद्देश्य :

क) देश के सामाजिक और आार्थिक विकास की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संचार-माध्यमों के उपयोग और विकास के लिए शोध कार्य और प्रशिक्षण आयोजित करना।

ख) केन्द्र और राज्य सरकारों के सूचना और प्रसारण अधिकारियों को प्रशिक्षण देना। निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सूचना और प्रचार संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शोध और प्रशिक्षण की सुविधाएँ जुटाना।

ग) विभिन्न विश्वविद्यालयों, शैक्षिक एवं शोध संस्थानों और व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों के सहयोग से संचार, सूचना और प्रचार की समस्याओं पर व्याख्यान, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ आयोजित करना।

घ) उन्मुखीकरण और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएँ और संचार के क्षेत्र में देश-विदेश के विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित करना।

***

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

संस्थान के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए पत्रकारिता के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के मुख्य उद्देश्य हैं:

क) भारत की भाषाओं में पत्रकारिता विशेषतः हिन्दी में पत्रकारिता की भूमिका, परम्परा, योगदान, चुनौती और संभावनाओं से प्रशिक्षुओं को अवगत कराना।

ख) पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न पदों का दायित्व संभालने की दृष्टि से संचार और पत्रकारिता के आवश्यक सिद्धांतों, अवधारणाओं, चुनौतियों, अधिकारों, जिम्मेदारियों, सीमाओं, कानून औरआचार संहिता की समझ पैदा करना।

ग) पत्रकारिता के क्षेत्र में कुशलतापूर्वक काम करने की सामर्थ्य पैदा करने के लिए प्रशिक्षुओं की आलोचनात्मक समझ, ज्ञान और पत्रकारीय कौशल को सशक्त बनाना।

पाठ्यक्रम का शैक्षिक कैलेंडर

1) हिन्दी में पत्रकारिता का स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम 1 अगस्त 2018 को प्रारम्भ होगा और 31 मई 2019 तक चलेगा।

2) शैक्षिक वर्ष को दो सत्रों में बांटा गया है। पहला सत्र अगस्त-दिसम्बर 2018 तक और दूसरा जनवरी-मई 2019 तक चलेगा।

3) पहले सत्र में 1,2,3 और 5वें प्रश्न पत्र की और दूसरे सत्र में 7, 8, 9 और 10वें प्रश्न पत्र की परीक्षाएँ होंगी। 8वें प्रश्न पत्र के व्यावहारिक कार्य दोनों सत्रों में कराए जाएंगे।

4) पहले सत्र में प्रशिक्षुओं को जहाँ तक संभव हो, पत्रकारिता की विभिन्न अवधारणाओं और विधाओं की समझ बना लेनी चाहिए ताकि दूसरे सत्र में वह पत्रकारिता के व्यावहारिक पहलुओं पर ज्यादा ध्यान दे सकें।

5) सिद्धांतपक्ष और व्यावहारिक पक्ष दोनों का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन हर सत्र में होगा। दोनों सत्रों के प्राप्तांकों का योग अन्त में किया जाएगा। हर प्रशिक्षु को उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक प्रश्न-पत्र और कुल योग में कम से कम 40 प्रतिशत अंक लाने होंगे।

6) हर प्रशिक्षु की सैद्धांतिक और अभ्यास की सभी कक्षाओं में उपस्थिति जरूरी है। किसी भी स्थिति में कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। कक्षा से अनुपस्थिति के लिए प्रशिक्षु को अग्रिम लिखित अनुमति लेनी होगी। विशेष परिस्थितियों में अनुपस्थिति के बाद उसकी मंजूरी के लिए लिखित आवेदन जरूरी है।

7) पाठ्यक्रम के लिए कम्प्यूटर की जानकारी अनिवार्य है। संस्थान में कम्प्यूटर कक्ष है, जहाँ प्रशिक्षुओं को अभ्यास का पर्याप्त मौका मिलेगा। अपेक्षा होगी कि प्रशिक्षु वर्ड प्रोसेसिंग, ग्राफिक्स, क्वार्क एक्सप्रेस, फोटोशॉप संबंधी कौशलों में दक्षता हासिल करें। इनकी मदद से संपादन, पेज बनाने और अन्य उपयोगी कौशल जल्द-से-जल्द विकसित कर लें। प्रशिक्षु को किसी भी स्थिति में प्रारंभिक आठ सप्ताहों में कम्प्यूटर दक्षता (वर्ड प्रोसेसिंग और टाइपिंग) हासिल कर लेनी होगी।

8) प्रशिक्षुओं से यह अपेक्षा है कि वह संस्थान की गरिमा को ध्यान में रखते हुए अनुशासन संबंधी नियमों का पूरी निष्ठा से पालन करें। इस संबंध में निम्नलिखित निर्देशों का पूरा ध्यान रखें :

   क. कक्षा में मोबाइलफ़ोन के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है। इसी तरह संस्थान के अंदर, कॉरीडोर, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष और मंच में मोबाइल फ़ोन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

   ख. संस्थान में धूम्रपान और पान-गुटके आदि का प्रयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है।

   ग. संकाय सदस्यों, अतिथि संकाय, कर्मचारियों और सहपाठियों के साथ आदरपूर्वक व्यवहार अपेक्षित और अनिवार्य है।

   घ. अपशब्दों, जातीय, धार्मिक और महिलाओं पर छींटाकशी और उनके साथ दुर्व्यवहार को अक्षम्य अनुशासनहीनता माना जाएगा।

***

	सिद्धांत अंक	व्यवहार अंक	कुल अंक
संचारः अवधारणा और प्रक्रिया	100		100
पत्रकारिता का इतिहास, कानून और आचार संहिता	100		100
रिपोर्टिंगः अवधारणा और प्रक्रिया	100		100
रिपोर्टिंगः व्यावहारिक अभ्यास		100	100
संपादनः अवधारणा और प्रक्रिया	100		100
संपादनः व्यावहारिक अभ्यास		100	100
विज्ञापन, जनसंपर्क और समाचार पत्र प्रबंधन	100		100
प्रसारण पत्रकारिता	50	50	100
विकास पत्रकारिता	75	25	100
न्यू मीडिया पत्रकारिता	60	40	100
योग	**685**	**315**	**1000**

प्रथम प्रश्नपत्र — संचार सिद्धांत एवं संचार शोध — 100

उद्देश्य

- ☞ संचार की अवधारणा, उसकी प्रक्रिया और सिद्धांतों से अवगत कराना।
- ☞ संचार और जनमाध्यम शोध, उसके महत्व और उसकी पद्धतियों एवं उपयोग का परिचय देना।

खंड–1 संचार की अवधारणा और प्रक्रिया — 25

- संचार के प्रकार, अन्तःवैयक्तिक, अन्तर्वैयक्तिक, समूह संचार
- शाब्दिक और मौखिक संचार, दैहिक संकेतों का महत्व
- जनसंचार के कार्य
- संचार के प्रतिरूप (मॉडल): परंपरागत, मध्यवर्ती, संवादात्मक, व्यावहारात्मक (ट्रांजेक्शनल) प्रतिरूप
- अरस्तु का रेटरिक मॉडल, बर्लो का एसएमसीआर मॉडल, शैनन-वीवर का गणितीय मॉडल, वैस्ली-मैकलीन का अवधारणात्मक मॉडल, न्यूकॉम्ब का संचार मॉडल, डांस का हेलिकल स्पाइरल मॉडल और इकोलोजिकल मॉडल्स
- जनसंचार के सिद्धांत और विशेषताएँ
- प्रेस के चार सिद्धांत, विकासात्मक, लोकतांत्रिक सहभागिता सिद्धांत
- मीडिया का प्रभाव : हाइपो-डर्मिक नीडल, टू स्टेप फ्लो सिद्धांत, गेट कीपिंग
- मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय संचार सिद्धांतः संज्ञानात्मक विभिन्नता (कॉगनिटिव डिसोनेन्स), चयनात्मक बोध (सिलेक्टिव पर्सेप्शन), संवर्धन (कल्टीवेशन) सिद्धांत, आवश्यकताएँ एवं तुष्टि (नीड्ज़ और ग्रेटिफिकेशन), एजेंडा सेटिंग (मैकॉम्ब)
- मीडिया का सशक्त प्रभावः वर्चस्व प्रतिमान (डोमिनेंट पेराडाइम), नवोन्मेश का प्रसार (डिफ्यूशन आफ इनोवेशन्स), स्पाइरल ऑफ साइलेंस
- आलोचनात्मक और सांस्कृतिक सिद्धांतः वर्चस्व, राजनीतिक अर्थशास्त्र और फ्रेंकफर्ट स्कूल (अर्डोनो, होर्खाइमर, हैबरमास, स्टूअर्ट हॉल और जॉन फिस्क)
- सामाजिक अध्ययन सिद्धांत और सामाजिक परिवर्तन
- पब्लिक स्फीयर और विचारःसहमति निर्माण/प्रोपगैंडा मॉडल (हैबरमास और चौमस्की)
- भारतीय संचार सिद्धांत : अवधारणा और प्रक्रिया (सहृदय और साधारणीकरण; नाट्य शास्त्र)
- अंतरराष्ट्रीय संचार सिद्धांत : प्रोपगैंडा, विश्व में सूचना और संचार की नयी व्यवस्था, वैश्वीकरण

खंड–2 भाषा और जनसंचार — 25

- जनसंचार और समाज में भाषा का महत्व
- चिह्न और प्रतीक
- मौखिकता, दूसरी मौखिकता, साक्षरता और दृश्य साक्षरता
- विभिन्न जन माध्यमों में भाषा का प्रयोग
- टेलीविज़न, रेडियो, प्रिंट और नव माध्यमों की भाषा में अंतर

खंड–3 दृश्य संचार — 25

- दृश्य संचारः अवधारणा व प्रक्रियाएँ
- दृश्य संचार के सिद्धांत
- दृश्य साक्षरता, दृश्य की समझ, मत निर्माण में दृश्यों की भूमिका
- विभिन्न माध्यमों में दृश्यों का उपयोग

- दृश्यों के साथ तोड़मरोड़
- दृश्यों की नैतिकता

खंड–4 **संचार/मीडिया शोध** **25**

- शोध अवधारणा, तत्व, रूपरेखा और विधियाँ
- शोध का क्षेत्र, शोध समस्या, शोध उपकल्पना
- साहित्य समीक्षा/संबंधित अध्ययन और विश्लेषण
- शोध के प्राथमिक और सहायक स्त्रोत
- चरः आश्रित, स्वतंत्र और मध्यवर्ती
- प्रतिदर्श (सैंपलिंग) तकनीक
- प्रतिदर्श चयन के तरीके : संभाव्यता/असंभाव्यता
- गुणात्मक और मात्रात्मक शोध विधियाँ
- आँकड़ा संग्रह और सर्वेक्षण शोध विधियाँ
- प्रश्नावलीः संरचनात्मक और अर्धसंरचनात्मक, केस स्टडी, प्रवेश और विकास विधि
- गुणात्मक शोध विधियाँ निरीक्षण, आईडीआई, एफजीडी, माध्यम के कथ्यों की प्राइमिंग और फ्रेमिंग
- पीएलए विधियाँ
- शोध के साधन के रूप में वीडियो का इस्तेमाल
- डाटा विश्लेषण : डाटा कोडिंग, वर्गीकरण और व्याख्या
- इंपेक्ट रिसर्च और ऑडीएंस स्टडीज
- विषयवस्तु विश्लेषण और पाठाधारित विश्लेषण
- ऑडीएंस रिसेप्शन स्टडीज, इंटरनेट मीडिया रिसर्च
- रेटिंग्स रिसर्चः पीपल मीटर्स, डायरी, टेलीफोन सर्वे, ओपीनियन पोल, एमएपी, टेम, टीआरपी, आरएएम और आईआरएस
- संदर्भित (रेफरन्सिंग) और उल्लेख (साइटेशन)

संदर्भ पुस्तक सूची :

- संचार के सिद्धांतः आर्मंड मैतलार्त, मिशेल मैतलार्त, ग्रंथ शिल्पी, 2010
- जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य, जवरीमल्ल पारख, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली,2000
- जनमाध्यम और मास कल्चर, जगदीश्वर चतुर्वेदी, सारांश प्रकाशन, नई दिल्ली,1996
- भाषा और संवेदना, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद, 1981
- जन संचार माध्यम और सांस्कृतिक विमर्श, जवरीमल्ल पारख, ग्रंथ शिल्पी,2010
- सूचना क्रांति की राजनीति व विचारधारा, प्रो. सुभाष धूलिया, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली,2001
- अनुसंधान प्रविधि, एस एन गणेश, लोकभारती, इलाहाबाद, 1986
- Mass communication theory: An Introduction, Denis Mcquail, Vistaar Publications, New Delhi
- Schramm, W. Roberts, D.F., The process and effects of mass communication, Urbana, IL: University of Illinois Press, 1971
- Mass communication in India, Keval J. Kumar, Jaico Publishing House, Mumbai, 2011
- Critical Terms for Media Studies, Edited by Mitchell & Mark B.N. Hansen, The University of Chicago Press, 2010
- Mass Communication Research Methods, Anders Hansen, Simon Cottle, Ralph Negrine& Chris Newbold, Macmillan Press, London, 1998

- The Basics of Communication Research, Leslie A. Baxter & Earl Babbic, Thomson Learning, Toronto, 2004
- Language and Media, Alan Durant & Marina Lambrou, Routledge, New York, 2009
- International Communications: Continuity and Change, Daya Krishna Thussu, Arnold Publishers, London, 2000 (Pages 11-60)
- Indian Media in a Globalised World, Maya Ranganathan and Usha M. Rodrigues, Sage, New Delhi, 2010
- Adhikari N., Theory and Practice of Communication- Bharata Muni, Makhanlal Chaturvedi Rashtriya Patrakarita Avam Sanchar Vishwavidyalaya.

द्वितीय प्रश्नपत्र — प्रेस का इतिहास, प्रेस विधि एवं नैतिकता — 100

उद्देश्य

- ☞ पत्रकारिता, समाज में उसकी भूमिका और कार्यों के बारे में अवधारणात्मक समझ विकसित करना।
- ☞ प्रशिक्षार्थियों को पत्रकारिता के वैधानिक और नैतिक पहलुओं, उसके मूल्यों और दायित्वों का बोध कराना।

खंड–1 पत्रकारिता का इतिहास — 25

- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अंग्रेजी और भाषाई पत्रकारिता की भूमिका
- आधुनिक भारत में पत्रकारिता की भूमिका
- आपातकाल के दौर में पत्रकारिता
- भारत में प्रेस की प्रगति और विस्तार (1977-1991)
- हिन्दी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख समाचार पत्र समूह : द हिन्दू, टाइम्स ऑफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स समूह, दैनिक जागरण, अमर उजाला, दैनिक भास्कर, प्रभात खबर और राजस्थान पत्रिका
- प्रमुख संपादक : महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, बाबूराव विष्णु पराड़कर, बनारसी दास चतुर्वेदी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, राजेन्द्र माथुर, प्रभाष जोशी और सुरेन्द्र प्रताप सिंह
- भारत में संवाद समितियाँ
- अन्य देशों में पत्रकारिता (अमेरिका, यूरोप, चीन, सार्क देश, आदि)
- समाचारपत्रों का भविष्य : प्रवृत्तियां और विमर्श

खंड–2 मीडिया कानून — 25

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रेस की आज़ादी
- न्यायालय और विधायिका की अवमानना
- सरकारी गोपनीयता कानून
- कॉपीराइट कानून और पुस्तक एवं समाचार पत्र पंजीकरण कानून
- मानहानि कानून
- श्रमजीवी पत्रकार कानून, वेतन बोर्ड
- प्रसारण क्षेत्र के लिए कानून : प्रसारण संहिता, टेलीग्राफ एक्ट, केबल टीवी नेटवर्क (रेग्यूलेशन) कानून, सिनेमैटोग्राफ कानून, प्रसार भारती कानून, कंडीशनल एक्सेस सिस्टम (सीएएस) और डीटीएच
- साइबर क्षेत्र के लिए कानून : सूचना तकनीक कानून (आइटी एक्ट),कॉपीराइट उल्लंघन, साइबर अपराध
- सूचना का अधिकार कानून
- संचार माध्यमों में महिलाओं संबंधी प्रस्तुतिकरण अधिनियम, 1986
- पत्रकारिता : संगठित और असंगठित क्षेत्र

खंड–3 मीडिया संगठन — 25

- भारतीय प्रेस आयोग (पहले और दूसरे प्रेस आयोग की अनुशंसाएँ)
- अंतरराष्ट्रीय संगठन : अंतरराष्ट्रीय प्रेस संस्थान, यूनेस्को
- आईएनएस, एडिटर्स गिल्ड, आईएफडब्ल्यूजे, एनयूजे(आई), आईजेयू, बीईए आदि एसोसिएशन और संगठन, मीडिया में ट्रेड यूनियन अधिकार
- प्रेस परिषद कानून और प्रेस परिषद की भूमिका

- प्रसारण नियमन संस्थाएँ : ट्राई, एनबीए, एनबीएसए, आईबीएफ
- राष्ट्रीय सूचना और संचार व्यवस्था की आवश्यकता
- सरकारी सूचना तंत्र की दृष्टि और अवधारणा
- भारत में सरकारी सूचना तंत्र का संगठनात्मक स्वरूप (पत्र सूचना कार्यालय, दृश्य-श्रव्य प्रचार निदेशालय, क्षेत्रीय प्रचार कार्यालय, गीत और नाटक प्रभाग, फिल्म निदेशालय)
- प्रांतीय सरकारी सूचना और जन संपर्क विभाग
- राष्ट्रीय मीडिया नीति : प्रिंट, टीवी, रेडियो और फिल्म नीति
- शोध, संदर्भ और प्रतिपुष्टि (फीड्बैक) जैसी सहायक सेवाएं

खंड–4 **पत्रकारीय आचार संहिता और मूल्य** **25**

- पत्रकारीय नैतिकता का आधार और विकास : नीतिशास्त्र के प्रमुख सिद्धांत
- पत्रकारीय नैतिकता : अवधारणा, महत्व और उससे जुड़ी बहसें ; पोस्ट ट्रूथ
- पत्रकारीय आचार संहिता : प्रोफेशनल संगठनों, मीडिया समूहों और नियामकों की आचार संहिताएँ
- पत्रकारिता में नैतिक दुविधा : हल के विभिन्न तरीके
- निजता का अधिकार, स्टिंग पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, पेड न्यूज, प्राइवेट ट्रीटीज़, मीडिया नेट
- मीडिया नियमन :आधार, सिद्धांत और विकास, मुद्दे और चुनौतियां
- खबरपाल (ओम्बुड्समैन), पाठक संपादकों की भूमिका और महत्व, स्वनियमन
- फ़र्जी ख़बरें (फेक न्यूज) : मुद्दे, चुनौतियाँ और फ़र्जी ख़बरों से निपटने की तकनीक
- मीडिया ट्रायलः मीडिया एक्टिविज्म के फायदै और नुकसान

संदर्भ पुस्तक सूची :

- भारतीय पत्रकारिता का इतिहास - जे नटराजन, प्रकाशन विभाग, 2002
- जर्नलिज्म इन इंडिया - पार्थसारथी रंगास्वामी, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, 2011
- हिन्दी पत्रकारिता - कृष्णबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, 1985
- हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास - जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी , प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास - अर्जुन तिवारी , प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1997
- भारत का संविधान - महावीर सिंह, ईस्टर्न बुक कंपनी, लखनऊ, 1991
- भारत में समाचार पत्र क्रांति - रोबिन जेफ्री, आई आई एम सी, नई दिल्ली, 2004
- समाचार पत्र - चलपति राव, नेशनल बुक ट्रस्ट, (एनबीटी), नई दिल्ली, 1977
- प्रेस विधि - नंदकिशोर त्रिखा , भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, 1986
- प्रेस विधि और अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य - डॉ हरबंस दीक्षित, वाणी प्रकाशन, 2007
- पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा – आलोक मेहता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
- The Rise and Growth of Hindi Journalism, Ram Rattan Bhatnagar, Vishwavidyalaya Prakashan, Varanasi, 2003
- The History of Urdu Press, M.A. Khan, Classical Publishing House, New Delhi, 1995
- Introduction to the Constitution of India, Durga Das Basu, S.C. Sarkar& Sons Pvt. Ltd, Calcutta, 1996
- Laws of the Press, D.D. Basu, Prentice Hall, New Delhi, 2006
- Good news, Bad News: Journalism Ethics and the Public Interest, Jeremy Iggers, West view Press, Oxford, 1998
- Only the Good news: The Law of the Press in India, Rajeev Dhavan, Manohar Publications, New Delhi, 1987
- Media Ethics, Paranjoy Guha Thakurta, Oxford, Delhi, 2012

तृतीय प्रश्नपत्र समाचार लेखन : अवधारणा और प्रक्रिया 100

उद्देश्य

- ☞ विशेषीकृत बीट समेत रिपोर्टिंग के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना।
- ☞ प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के माध्यम के लिए लिखने के लिए सक्षम बनाना। इसके लिए सूचना संग्रहण, प्रसंस्करण और प्रेषण के कौशल का प्रशिक्षण देने पर ज़ोर रहेगा

खंड–1 समाचार अवधारणा 20

- समाचारःअवधारणा, परिभाषा, तत्व और समाचार मूल्य का विकास
- समाचार की बदलती अवधारणा : मुद्दे और चुनौतियाँ
- समाचार के प्रकार : समाचार और मानवीय रुचि के समाचार, आदि
- समाचार संग्रहण : सूचना के स्त्रोत, अवलोकन और शोध
- न्यूज़ एजेंसी और समाचार पत्रों, टेलीविज़न और रेडियो तथा वेबसाइट की रिपोर्टिंग में अंतर
- न्यूज एजेंसी, समाचार पत्र, पत्रिका, रेडियो और टेलीविज़न में रिपोर्टिंग विभाग का ढाँचा और कार्यप्रणाली
- संवाददाता, प्रमुख संवाददाता और ब्यूरो प्रमुख की भूमिका, कार्य और गुण
- समाचार स्त्रोत और संवाद संग्रहण के नैतिक पहलू
- विश्लेषणात्मक, व्याख्यात्मक, विवरणात्मक और खोजी रिपोर्टिंग

खंड–2 समाचार लेखन 20

- समाचार लेखन की प्रक्रिया
- समाचार मूल्य की जांच
- समाचार का ढांचा : समाचार आमुख और उसके प्रकार
- समाचार लेखन की प्रक्रिया में ध्यान रखने योग्य बातें
- समाचार लेखन की प्रमुख शैलियाँ : उलटा पिरामिड, फीचर शैली, रेत घड़ी शैली और नट ग्राफ़

खंड–3 रिपोर्टिंग के प्रकार : बीट और ब्यूरो पर आधारित 20

- बीट और उससे जुड़े स्त्रोत : स्त्रोत विकसित करने की कला
- सूचनाओं और तथ्यों की खोज, छानबीन और चयन की प्रक्रिया
- प्रेस कांफ्रेंस, प्रेस रिलीज और सेमिनार-भाषण से समाचार
- स्थानीय रिपोर्टिंगः शहर और स्थानीय निकायों की खबरें
- क्राइम रिपोर्टिंग : स्त्रोत, जाँच-पड़ताल,संबंधित कानून और अपराध संहिता (आईपीसी और सीआरपीसी)
- ब्यूरो के लिए रिपोर्टिंग : आवश्यक तैयारी, राजनीतिक दलों और राजनीति, विधान सभा और संसद की रिपोर्टिंग
- विशेषीकृत रिपोर्टिंग : रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, कला और संस्कृति, पर्यावरण, फैशन, लाइफस्टाइल, मनोरंजन, खेल आदि
- विवादित मुद्दे : सैन्य बल, प्रांत, जाति, समुदाय और मानवाधिकार
- महिला, दलित एवं अन्य हाशिए के वर्गों संबंधी रिपोर्टिंग, महिला, दलित और कमज़ोर वर्गों के सशक्तिकरण में रिपोर्टिंग की भूमिका

खंड–4 आार्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग 20

- आार्थिक, व्यापारऔर बाजार की रिपोर्टिंग

- राष्ट्रीय बजट, वार्षिक आर्थिक सर्वेक्षण
- आार्थिक और बिजनेस रिपोर्टिंग की तैयारी : आार्थिक परिघटनाओं, प्रणालियों, अर्थव्यवस्था और बिजनेस की बुनियादी समझ
- जीडीपी की अवधारणा, वृद्वि/विकास और मुद्रास्फीति, जीडीपी के घटक
- नीति आयोग : अर्थनीति निर्माण में भूमिका और प्रभाव
- अर्थव्यवस्था के संकेत सूचकः औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक, इंफ्रास्ट्रकचर, इंडेक्स, एक्सटर्नल सेक्टर :भुगतान संतुलन (बेलेंस ऑफ पेमेंट), चालू खाता, पूँजी खाता
- बैंकिंग : सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र और विदेशी बैंक, पीएलआर, बैंक रेट, रेपो, रिवर्स रेपो, सीआरआर, एसएलआर
- शेयर बाजार : सेंसेक्स,निफ्टी, मार्केट कैपिटल, 52वीक हाई/लो
- नियामक : सेबी की कार्यप्रणाली, ईपीआई इंडेक्स : सीआईआई, फिक्की जैसे संस्थानों की कार्यप्रणाली

खंड–5 **पत्रकारीय लेखन के अन्य प्रकार** **20**

- फीचरःपरिभाषा, प्रकार एवं विशेषताएँ, समाचार और गैर समाचार फीचर
- फीचर लेखन की प्रक्रिया :विचार और शोध, फीचर लेखन की तकनीक
- विचार लेखन, संपादकीय और मिडिल
- साक्षात्कार के विभिन्न प्रकार, तैयारी और प्रक्रिया
- साक्षात्कार के दौरान ध्यान रखने वाली बातें
- साक्षात्कार का लेखन
- विशेष लेख, सप्ताहांत परिशिष्ट, पुलआउट्स, बैकग्राउन्डर्स, समीक्षाएँ (पुस्तक, फिल्म और वृत्तचित्र)
- पत्रिका रिपोर्टिंग : वर्तमान प्रचलन, स्टाइल शैली और भविष्य

संदर्भ पुस्तक सूची :

- समाचार और संवाददाता - काशीनाथ जोगलेकर, वाराणसी विश्वविद्यालय प्रकाशन, 1997
- समाचार संकलन और लेखन - नंदकिशोर त्रिखा, हिन्दी समिति, उप्र 1974
- समाचार अवधारणा और लेखन प्रक्रिया - सुभाष धूलिया, आनंद प्रधान; भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, 2004
- क्राइम रिपोर्टर - हर्षदेव, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, 2005
- Here is the news: reporting from media - RangaswamiParthsarthy, Sterling Publisher 1994
- News Writer's Handbook: M.L. Stein, Susan F. Paterno, R. Christopher Burnett Practical Newspaper Reporting, David Spark and Geoffrey Harris, Blackwell Publishing, 2000
- Writing and reporting News: A Coaching Method, Carole Rich
- News Writing, George Hough, Kanishka Publishers, New Delhi
- Reporting for Journalists, Chris Frost, Routledge, London, 2001
- Modern Journalism: Reporting and Writing, Diwakar Sharma, Deep and Deep Publications, New Delhi
- The War Correspondent, David Randall, London
- Intimate Journalism: The Art and Craft of Reporting Everyday Life, Walt Harrington, New Delhi
- Writing for Journalists, Wynford Hicks, London
- Practical Newspaper Reporting by David Spark and Geoffrey Harris, Sage Publication, New Delhi 2011
- Writing and Reporting News: A Coaching Method by Carole Rich, Thomson Wadswदrth, Australia, 2010
- Reporting for Journalists, Chris Frost, Routledge, London, 2001
- The Routledge Companion to News Journalism, Routledge Newyork, 2010

चौथा प्रश्नपत्र **समाचार लेखन : व्यावहारिक अभ्यास** **100**

उद्देश्य

☞ प्रशिक्षार्थियों को समाचार लेखन के अभ्यास कराना।
☞ विशेषीकृत रिपोर्टिंग : रक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, शिक्षा, कला और संस्कृति, पर्यावरण, फैशन, लाइफस्टाइल, मनोरंजन, खेल आदि के अभ्यास
☞ प्रशिक्षार्थियों को फीचर, मिडिल, संपादकीय, संवाद लेखन के कौशल में दक्ष करना।

- प्रशिक्षुओं से अपेक्षा की जाती है कि वे समाचार लेखन/रपट का अधिक से अधिक व्यावहारिक अभ्यास करेंगे। इसके लिए उन्हें समय-समय पर लिखने के लिए अभ्यास दिए जाएंगे।
- संकाय सदस्य उन्हें सभी क्षेत्रों के बारे में समाचार/रपट, समाचार विश्लेषण, साक्षात्कार, समाचार फीचर, इनडेप्थ रिपोर्ट लिखने के अभ्यास कार्य देंगे।
- प्रशिक्षुओं को कक्षा में दिए गए अभ्यासों की फाइल तैयार करनी होगी। कम से कम 50 सत्रीय कार्य करने होंगे। सत्रांत में इसका मूल्यांकन किया जाएगा।
- कक्षा में रिपोर्टिंग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में नियमित चर्चा भी होगी जिसमें सभी प्रशिक्षुओं की सहभागिता और प्रस्तुति अनिवार्य है।

***

जन स्वास्थ्य पत्रकारिता में क्रिटिकल अप्रेज़ल स्किल्स (CAS)

- जन स्वास्थ्य संचार पर विहंगम दृष्टि
- जन स्वास्थ्य संचार/पत्रकारिता के मूल्य एवं आचार संहिता
- जन स्वास्थ्य संचार संबंधी शोध

(इसे कार्यशाला पद्धति से संचालित किया जाएगा)

पाँचवाँ प्रश्नपत्र संपादन : अवधारणा और प्रक्रिया 100

उद्देश्य

☞ प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के लेखन के संपादन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना और उनका अभ्यास कराना।

खंड–1 संपादन 25

- संपादनःअवधारणा, प्रक्रिया और महत्व
- संपादन के उद्देश्य और लक्ष्य
- संपादन के औजार, संपादन प्रक्रिया, विभिन्न चरण
- संपादकीय मूल्य : तथ्यपरकता, वस्तुनिष्ठता, निष्पक्षता, संतुलन
- पत्रकारिता के विभिन्न रूप : नागरिक पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता, वैकल्पिक पत्रकारिता, सहभागी पत्रकारिता आदि
- संपादन की चुनौतियाँ
- पूर्वाग्रह, झुकाव, दबाव : राजनीतिक, वित्तीय, धार्मिक, जातीय, अपराधी, कानूनी

खंड–2 संपादन कक्ष, समाचार प्रवाह और संपादन व्यवस्था 25

- एकीकृत संपादन कक्ष
- समाचार पत्र-पत्रिकाओं और संवाद समितियों का संपादकीय ढांचा
- संपादन कक्ष में पत्रकारों के विभिन्न पद और कार्य
- समाचार प्रवाह और संपादन व्यवस्था
- डेस्क पर समाचारों का प्रवाह : विभिन्न स्त्रोत
- समाचार प्रवाह का प्रबंधन
- संपादन व्यवस्था : द्वारपालों की भूमिका और दायित्व

खंड–3 संपादन प्रक्रिया 25

- समाचारों के चयन की प्रक्रिया : समाचार मूल्य और अन्य कसौटियाँ
- कॉपी संपादन का उद्देश्य और लक्ष्य
- कॉपी संपादन की प्रक्रिया
- महिला, दलित एवं अन्य हाशिये के वर्गों संबंधी समाचारों का प्रस्तुतिकरण
- भाषा, शैली, तथ्य, स्पष्टता, सहजता, संपादन चिह्न, व्याकरण की महत्ता
- संपादन में अनुवाद की भूमिका, उद्देश्य और महत्व
- बेहतर अनुवाद की कसौटियाँ
- समाचारपत्रों में काम आने वाली शब्दावली, शैली पुस्तिका
- शीर्षक लेखन : शीर्षक का उद्देश्य और महत्व,
- शीर्षक के विभिन्न प्रकार, शीर्षक लेखन की कला

खंड–4 ले आउट, डिजाइन और फोटो पत्रकारिता 25

- समाचार पत्र फारमेट : समाचारपत्र, टेबलाइड, पत्रिका (मैगजीन)
- ले आउट और डिज़ाइन के सिद्धांत

- टाइपोग्राफी, कलर और (मुद्रण कला) ग्राफिक्स (दृश्यांकन)
- डिज़ाइनिंग और संपादन के सॉफ्टवेयर
- समाचार पत्र के मुद्रण (छपाई) की प्रक्रिया
- समाचार पत्र और प्रिंटिंग तकनीक
- फोटो पत्रकारिता का उद्भव और विकास
- समाचारों और घटनाओं का तस्वीरों के ज़रिए कवरेज
- फोटो फीचर और कैप्शन लिखने की अवधारणा एवं तकनीक

संदर्भ पुस्तक सूचीः

- समाचार संपादन - प्रेमनाथ चतुर्वेदी भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली, 1969
- संपादन कला - एन सी पंत, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2004
- मानक हिन्दी - बृजमोहन, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979
- शैली पुस्तिका- बाल मुकुंद सिन्हा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1995
- भाषा और संस्कृति - भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1984
- मानक हिन्दी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी,प्रभात प्रकाशन, दिल्ली, 1986
- साक्षात्कार सिद्धांत और व्यवहार - रामशरण जोशी, ग्रंथ शिल्पी, नई दिल्ली, 2001
- फीचर लेखनः स्वरुप और शिल्प - मनोहर प्रभाकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1992
- पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ - भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 1984
- अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987
- हिन्दी व्याकरण, अनुपम द्विवेदी, रीतू पब्लिकेशन, जयपुर, 2014
- Creative editing: Dorothy A Bowls, Australia: Wadsworth Cengage Learning, 2011
- Magazine Editing: John Morrish, Routledge, New York 2006
- Real feature writing: A Amidore, Routledge, New York 2013
- Editing for print: Geoffrey Rogers, MacDonald Book, London, 1993
- The art of editing: Floyd K. Baskette, Allyan and Bacon, Boston, 1997
- Art and Production: NN Sarkar, Sagar Publication, New Delhi, 1995
- Professional Journalism: Patanjali Sethi, Orient Longman, Bombay, 1974
- Professinal Journalism- M.V Kamath Vikas Publication, New Delhi 1996
- Journalism in the digital age: John Herbert, Focal Press, Boston, 2000
- Editors on Editing: H. Y Sharda Prasad, National Book Trust, New Delhi1993

छठा प्रश्नपत्र संपादन का व्यावहारिक अभ्यास 100

उद्देश्य

☞ प्रशिक्षार्थियों को हर प्रकार के लेखन के संपादन के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं से परिचित कराना और उनका अभ्यास कराना।

6.1 संपादन कार्यशाला 20

संपादन के अधिक अभ्यास के लिए नियमित कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। प्रशिक्षुओं को अंशकालिक संवाददाताओं, संवाद समितियों, कार्यालय संवाददाताओं और विशेष संवाददाताओं की रपटों और संपादकीय तथा विशेष लेखों के संपादन का अभ्यास कराया जाएगा।

6.2 लैब जर्नल 20

आठ से दस छात्रों के प्रत्येक समूह को कम से कम 10 प्रायोगिक समाचार पत्र निकालने होंगे। यह प्रायोगिक पत्र प्रशिक्षुओं के मूल्यांकन का आधार होंगे।

6.3 अनुवाद कार्यशाला 20

समय-समय पर अनुवाद की कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान अनुवाद का अभ्यास होंगे जिनमें से कुछ का मूल्यांकन भी होगा।

6.4 फोटो पत्रकारिता कार्यशाला 15

पत्रकारिता के लिए फोटो खींचने और उनका माध्यमों में प्रयोग करने संबंधी कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी।

6.4 साज-सज्जा कार्यशाला 15

समाचार पत्र की साज-सज्जा और पेज तैयार करने की नियमित कार्यशालाएँ आयोजित की जाएंगी।

6.5 समसामयिक चर्चा 10

कक्षा में समसामयिक मुद्दों पर नियमित रूप से चर्चा होगी। सभी छात्रों की भागीदारी अनिवार्य होगी। चर्चा में प्रासंगिक सवाल उठाने अथवा टिप्पणी करने वाले छात्रों को अतिरिक्त अंक मिलेंगे।

***

सातवाँ प्रश्नपत्र जनसंपर्क, विज्ञापन और मीडिया प्रबंधन 100

उद्देश्य

- ☞ प्रशिक्षार्थियों को पत्रकारिता और मीडिया व्यापार प्रबंधन में विज्ञापन और जन संपर्क की भूमिका, महत्व और पारस्परिक संबंधों से अवगत कराना।
- ☞ प्रशिक्षार्थियों को मीडिया के व्यापारिक पक्ष से अवगत कराना।

खंड–1 जनसंपर्क 25

- अवधारणा, परिभाषा, भूमिका और उद्देश्य
- मीडिया में समाचार के स्त्रोत के तौर पर जनसंपर्क
- जनसंपर्क प्रक्रिया और उसका सामाजिक एवं राजनीतिक संदर्भ
- जनसंपर्क के साधन और तरीके
- मीडिया संपर्क (Media Relations)
- नैतिक और विधायी मुद्दे (पेड न्यूज़, मीडिया नेट, एडवर्टोरियल, विशेषांक, बिजनेस चैनल में स्टॉक बाज़ार का विश्लेषण; पेड एपीयरेंस, आदि
- सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में जनसंपर्क
- जनसंपर्क में कानूनी और नैतिकता के मुद्दे
- भारतीय संदर्भ में सोशल मार्केटिंग
- डिजिटल दौर में जनसंपर्क
- मीडिया संपर्क प्रबंधन
- लक्षित समूह सेग्मन्टेशन

खंड–2 निगमीय संचार 25

- कॉरपोरेट क्षेत्र और समाचार में रहने की उसकी आवश्यकता की समझ
- कॉरपोरेट संचार : अवधारणा और प्रक्रिया
- समाचार पत्रों को ब्रांड की तरह तैयार करना (केस स्टडी के साथ)
- आपदा संचार और मीडिया रिपोर्टिंग
- निगमीय सामाजिक ज़िम्मेदारी (CSR) – सॉफ्ट समाचारों के स्त्रोत के तौर पर
- निगमों के लिए लेखन : न्यूज़ लेटर, प्रेस विज्ञप्ति, आंतरिक पत्रिका

खंड–3 विज्ञापन 25

- विज्ञापन : अवधारणा, भूमिका, उद्देश्य और महत्व
- विज्ञापन के कार्य, प्रकार और विज्ञापन से जुड़े मुद्दे
- मीडिया और विज्ञापन पर वर्तमान विमर्श : समाचार की वस्तुनिष्ठता और निष्पक्षता पर प्रभाव
- विज्ञापन एजेंसी का ढाँचा : उसके विभिन्न विभाग और उनके कार्य
- सृजनात्मकता और कैंपेन प्लानिंग
- विज्ञापन का आार्थिक और सामाजिक प्रभाव
- मीडिया प्लानिंग और मीडिया क्रय की अवधारणा

- विज्ञापन में क़ानून और नैतिकता : ए.ए.ए. (AAA), ए.एस.सी.आई (ASCI) और विज्ञापनदाताओं के लिए दूरदर्शन की संहिता की भूमिका
- ब्रांड प्रबंधन : मूल तत्व
- विज्ञापन में कानूनी और नैतिकता के मुद्दे
- डिजिटल दौर में विज्ञापन

खंड–4 **मीडिया व्यापार प्रबंधन** **25**

- मीडिया प्रबंधन और मीडिया अर्थतंत्र का परिचय
- स्वामित्व के स्वरूप
- माध्यम संस्थाओं का प्रबंधन - माध्यम संस्थाओं के अध्ययन
- मीडिया संस्थाओं की अर्थतंत्र एवं विपणन– वितरण, विज्ञापन और समाचारपत्रों तथा समाचार चैनलों के विपणन के बदलते आयाम (आईबॉल और टीआरपी की होड़)
- समाचार पत्र प्रबंधनः मानव संसाधन, मार्केटिंग, प्रबंधन और संपादकीय विभाग के बीच समन्वय

संदर्भ पुस्तक सूची :

- विज्ञापन और जनसंपर्क - जयश्री जेठवानी, सागर प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- भारत में समाचार पत्र प्रबंधन - गुलाब कोठारी, हिन्दी ग्रन्थ अकदमी, जयपुर, 1997
- Effective Public Relations, Cutlip Scott M Etal (New Jersy: Prentice Hall, 1994)
- Public Relations Concepts, Strategies and Tools-JethwaneyJaishri (New Delhi: Sterling 1994)
- Advertising; Jethwaney, Jaishri, Phonix Publishing House, New Delhi, 1999
- Integrated Advertising, Promotion and Marketing Communication- By ClowBaack
- Advertising Management- Batra, Myers &Aaker, 5th Edition
- The power of corporate communication; Argenti,Paul A.& Forman, Janis
- Corporate Communication: Principle and Practice, Prof. J. Jethwaney, OUP, New Delhi, 2010
- Corporate Communication: A guide to theory and Practice, JoepCornelissen, Sage Publication, New Delhi,2009
- Essentials of Corporate Communication: Implementing Practices for Effective Reputation Management-Cees B. M. van Riel and Charles J. Fombrun, Routledge, Indian ed. London, 2011
- Advertising Management, Jaishri Jethwaney and Shruti Jain, OUP, New Delhi, 2006
- Public Relations, Jaishri Jethwaney and Sarkar, Sterling, New Delhi, 2000
- Communication in Organisations, Dalmar Fisher, Jaico Publishing House, Mumbai, 1999

आठवाँ प्रश्नपत्र — प्रसारण पत्रकारिता — 100

(सिद्धांत : 50 अंक प्रायोगिक : 50)

उद्देश्य

☞ प्रशिक्षार्थियों को रेडियो और टेलीविज़न पत्रकारिता में रिपोर्टिंग, संपादन और प्रस्तुतिकरण सिखलाया जाएगा।

खंड–1 रेडियो प्रसारण एवं समाचार — 25

- रेडियो प्रसारण के सिद्धांत और विशेषताएँ
- भारत में प्रसारण का उदभव औऱ विकास : सार्वजनिक प्रसारण सेवा /एफएम प्रसारण
- सामुदायिक रेडियो : भूमिका और कार्यप्रणाली, प्रबंधन
- रेडियो समाचार लेखन : संरचना, इंट्रो, बॉडी, एजेंसी कॉपी का संपादन
- रेडियो समाचार कक्ष का ढांचा और कार्यप्रणाली
- वॉयस डिस्पेच, साउंड बाइट्स, वॉक्सपॉपुली
- रेडियो के लिए इंटरव्यू, फोन इन
- रेडियो समाचार का संपादन
- साउंड मिश्रण
- रेडियो समाचारः भाषा, प्रस्तुति और संयोजन
- समाचार वाचन, एंकरिंग, चर्चा, वार्ता, लाइव चर्चा
- विशेष रेडियो कार्यक्रम
- स्टूडियो रिकार्डिंग
- ओबी रिकार्डिंग
- ध्वनिः सिद्धांत और संयोजन
- माइक्रोफोन, स्टूडियो संरचना, रिकार्डिंग उपकरण, डिजिटल रिकार्डिंग और संपादन

खंड–2 टेलीविजन प्रसारण एवं समाचार — 25

- टीवी प्रसारण के सिद्धांत एवं विशेषताएँ
- भारत में टेलीविजन प्रसारण का इतिहास : एसआईटीई, टरेस्ट्रीअल, केबल एवं सेटेलाइट
- टेलीविजन न्यूज चैनल का सांगठनिक ढांचा : टेलीविजन समाचार कक्ष, टेलीविजन समाचार प्रोडक्शन और कार्य
- चैनल वितरण (डिस्ट्रब्यूशन) : एमएसओ, सीएएस, एचआईटीएस, डीटीएच, आईपीटीवी
- मोबाइल पर टीवी : 3 जी और 4 जी
- भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री की वर्तमान प्रवृत्तियाँ : सार्वजनिक टेलीविजन प्रसारण सेवा, व्यवसायिक प्रसारण
- टीवी समाचारः संकल्पना, वीडियो के लिए लेखन
- टीवी रिपोर्टिंगः पीस टू कैमरा, वॉयस ओवर और संपादन
- टीवी समाचार लेखन के विभिन्न फॉर्मेट
- समाचार वाचन और एंकरिंग
- विशेष समाचार, लाइव, फोन इन, ओबी
- दृश्य संयोजन, रचना और संपादन
- टी वी समाचारः तकनीक और प्रोडक्शन
- वीडियो कैमराः विशेषताएँ, प्रकार और संचालन

- टी वीः प्रकाश और ध्वनि संयोजन
- टेलीविजन कार्यक्रम, योजना, प्रस्तुति और प्रोडक्शन
- ग्राफिक्स, एनिमेशन
- स्टूडियो संयोजन
- एकल, द्वि और बहु कैमरा प्रोडक्शन
- ई.एन.जी और फील्ड प्रोडक्शन
- संपादन
- पोस्ट प्रोडक्शन

व्यावहारिक अभ्यास **50 अंक**

रेडियो समाचार

☞ घटना-कार्यक्रम की रिपोर्टिंग और साउंड बाइट्स की रिकॉर्डिंग।
☞ न्यूज रिपोर्ट लेखन और संपादन।
☞ वॉयस कास्ट की रिकॉर्डिंग।
☞ समूह में बुलेटिन का प्रोडक्शन।

टेलीविजन समाचार

☞ लेखन, प्रस्तुतीकरण और पी.टी.सी. की रिकॉर्डिंग।
☞ कॉपी संपादन और न्यूज रिपोर्ट का वीडियो संपादन।
☞ वॉयस ओवर का लेखन और रिकॉर्डिंग।
☞ पैकेजिंग, समूह में बुलेटिन का प्रोडक्शन।

संदर्भ पुस्तक सूची :

- दूरदर्शन : दशा और दिशा - सुधीश पचौरी, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, 1994
- प्रसारण और समाज - मेहरा मसानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 1977
- भारतीय इलेक्ट्रॉनिक मीडिया - डॉ देवव्रत सिंह, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007
- साइबर स्पेस और मीडिया - सुधीश पचौरी, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
- जनमाध्यम, प्रौद्योगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली , 2012
- टेलीविजनः प्रौद्योगिकी औप सांस्कृतिक रूप- रेमंड विलियम्स, ग्रंथशिल्पी, नई दिल्ली, 2010
- Radio: A Guide to Broadcasting techniques by Elwyn Evans (Barrie and Jenkins)
- Broadcasting and the People by MehraMasani (National Book Trust)
- Television in India: Changes and challenges/GopalSaksena: Vikas Publishing, 1996
- Television and Social Change in Rural India- Kirk Johnson, Sage Publications
- The Radio Handbook, Carole Fleming, Routledge, 2002
- Broadcast Journalism , Andrew Boyal, OUP, 1999
- Broadcast News Writing, Reporting and Producing, Ted White (II Edition), Focal Press, 1996
- Television News, Ivor Yorke, Focal Press, Oxford, 1995
- Before the HEADLINE- A Handbook of TV Journalism, CP Singh, Macmilan, 1999
- Broadcasting Journalism: Techniques of Radio & television News, Andrew Boyd, New Delhi, 2001

- Digital Broadcasting Journalism, Jitendra Kumar Sharma, Delhi 2003
- Broadcast Journalism in the 21st Century, K M Srivastava, New Delhi , 2005
- The Broadcast Journalism Handbook: A television news survival guide , Robert Thompson, oxford, 2004
- Broadcasting and Telecommunication: An Introduction, John R Bittner, New Jersey, 1991
- Broadcast News Writing style book, Robert A Papper, London, 1995
- Visual Communication: A guide for New Media Professionals. Christopher R Harris, London, 2002
- An Introduction to writing for Electronic Media: script writing essentials across the Genres, Rober B Musburger, Focal Press, Oxford, 2000
- Economics of Culture Industry: Television in India, K V Joseph, Shipra Publications, New Delhi, 2010
- Indian Broadcasting, H K Luthra, Publications Division, New Delhi, 1987
- Modern radio Production, HausmanMeesere, benoit& O' Donnel Wadsworth, Boston, 2010
- Radio in Global Age, David Mandy, Polity Press, Cambridge, 2000
- Television in India: Satellites, Politics and Cultural Change, Nalin Mehta, Routledge, New York, 2008
- Light and Lens: Photography in the digital age, Robert Hirsch

नवाँ प्रश्नपत्र — विकास पत्रकारिता — 100

उद्देश्य

- ☞ प्रशिक्षार्थियों को विकास के विभिन्न परिप्रेक्ष्यों, राष्ट्रीय विकास के विशेष मुद्दों एवं योजनाओंऔर उनमें संचार और मीडिया की भूमिका से परिचित कराना।
- ☞ विकास संबंधित मुद्दों की रिपोर्टिंग करने की कला और कौशल।

भाग–1 — विकास : सिद्धांत और व्यवहार — 25

- विकास विमर्श : विभिन्न आयाम और दृष्टिकोण का एक विवरण; प्रभावी, निर्भरता और सहभागी।
- विकास मानदंड/सूचकांक : स्थायी विकास, मानव विकास, लैंगिक संवेदनशील, कंफ्लिक्ट – फ्री, आदि।
- मीडिया और विकास के लिए अधिकार-आधारित रुख : सूचना का अधिकार, स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार, विविधता, बहुलता, सहभागिता, जवाबदेही, पारदर्शिता।
- विकास और संचार (रोजर्स, श्रेम, आदि)।
- आई.सी.टी. और विकास : सोशल मीडिया, इंटरनेट और मोबाइल टेलीफोनी, ई-शासन(गवर्नेंस) संचार व्यवस्था, वैश्वीकरण।
- विकास संगठनों का संसार : संयुक्त राष्ट्र संघ, मिलेनियम लक्ष्य, डिजिटल डिवाइड, सिविल सोसाइटी
- सामुदायिक और वैकल्पिक मीडिया।

भाग–2 — भारत के विकास पथ और दुविधाएँ — 25

- आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय, विकास, स्वतंत्रता और अवसर; सरकार, राज्य और बाजार, जन नीति और गरीब।
- पर्यावरण और विकास : विकास के दौर में पर्यावरण के मुद्दे; पर्यावरणीय शासन(गवर्नेंस); पर्यावरणीय राजनीति और मुद्दे; प्रकृत्ति का मोल; पर्यावरणीय अधिकार, शहरीकरण के मुद्दे।
- विकास (ग्रोथ), गरीबी और बेरोजगारी : भारत में आर्थिक वृद्धि (ग्रोथ); समकालीन भारत में गरीबी और बेरोजगारी के मुद्दे; गरीबी उपशमन और समानता, बाजार और आम वस्तुएं; संपत्ति का सृजन और वितरण।
- राजनीतिक मुद्दों के रूप में शिक्षा और स्वास्थ्य : बुनियादी सेवाएं और अधिकार; संवैधानिक अधिकार; शिक्षा और स्वास्थ्य तथा सामाजिक परिवर्तन; तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भारत; उदारीकरण, बाजार और बुनियादी सेवाएं।
- आजीविका से जुड़े मुद्दे : भूमि, कृषि, खाद्य, पानी, जैवविविधता, ऊर्जा : आजीविका का अधिकार; भारत में कृषि और किसान; भूमि, जल और आजीविका; ऊर्जा और आजीविका; शहरी आजीविका; सामुदायिक अधिकार।
- लैंगिक मुद्दे : लैंगिक समानता और सामाजिक तरक्की; महिला रोजगार और आर्थिक तरक्की (ग्रोथ); महिलाएं और भूमि के अधिकार; महिलाओं का पिछड़ापन और चिंतनीय मुद्दे; महिला आंदोलन।
- उदारीकरण, वैश्वीकरण और विकास के मुद्दे : विकास और उसकी कीमत; मुक्त और निष्पक्ष व्यापार; बाजार सुधार और संस्थाएं; आर्थिक लोकतंत्र; निगमीय ढांचा और शक्ति।
- भारत का सामाजिक विकास और सरकारी कार्यक्रम : एक विवेचनात्मक विवरण : सामाजिक विकास : प्रमुख मुद्दे; सामाजिक विकास कार्यक्रम और उनका प्रभाव; सामाजिक विकास : एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य; सामाजिक विकास और सुधार; सामाजिक विकास सूचकांक।
- विकास और लोकतंत्र के लिए शासन (गवर्नेंस) : शासन, गरीबी और विकास; भारत में शासन के मॉडल्स; बाजार और शासन के मुद्दे; लोग और शासन (गवर्नेंस); भारत में ब्यूरोक्रेसी (अफसरशाही) और विकास।

भाग–3 — विकास पत्रकारिता : विकास समाचारों के लिए रिपोर्टिंग — 25

- विकास से संबंधित स्टोरी के लिए स्रोत : सरकारी और गैर सरकारी स्रोत; फील्ड वर्क; शोध (रिसर्च); साक्षात्कार; समूह परिचर्चा और परम्परागत तथा गैर परम्परागत स्रोत।

- विविध विकास रिपोर्टिंग और लेखन के औजार तथा तकनीक।
- विभिन्न प्रकार की विकास स्टोरी : समाचार, फीचर और रिपोर्ट।
- आंकड़े और सांख्यिकी।

भाग–4 **विकास से संबंधित मुद्दों पर शोध प्रोजेक्ट** **25**

प्रत्येक विद्यार्थी को अप्रैल 2018 के आखिरी सप्ताह तक लगभग दस हजार शब्दों का शोध निबंध जमा करना होगा। विकास से संबंधित सेमिनारों और कान्फ्रेंसों में शरीक होने की विद्यार्थियों से उम्मीद की जाती है।

संदर्भ पुस्तक सूची :

- विकास का समाज शास्त्र, श्यामाचरण दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- पत्रकारिता एवं विकास संचार, डॉ. अनिल कुमार उपाध्याय, भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2007
- जनमाध्यम, संप्रेषण और विकास - देवेन्द्र इस्सर, इंद्रप्रस्थ, नई दिल्ली, 1995
- विकास पत्रकारिता - राधेश्याम शर्मा, हिन्दी साहित्य अकादमी, चंडीगढ़,1990
- कृषि एवं ग्रामीण विकास पत्रकारिता - अर्जुन तिवारी, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी, 1999
- संयुक्त राष्ट्र की मानव विकास रिपोर्ट
- Jean Dreze and Amartya Sen, 1995, India: Economic Development and Social Opportunity, Oxford University Press, Delhi.
- Niraja Gopal Jayal and Sudha Pai, 2001, Democratic Governance in India: Challenges of Poverty, Development, and Identity, SAGE, Delhi.
- Gurpreet Mahajan, 1998, Democracy, Difference & Social Justice, Oxford University Press, Delhi.
- Jean Dreze and Amartya Sen, 2013, An Uncertain Glory: India and its Contradictions, Princeton University, USA.
- Michael Traber (ed.) 1986 The Myth of the Information Revolution: Social and Ethical Implications of Communication Technology, Sage, London.
- Robin Jeffrey and Assa Doron 2013 Cellphone Nation, Hachette India.
- Ravi Sundaram 2010 Pirate Modernity: Delhi's Media Urbanism, Routledge, New Delhi.
- D. Singh Grewal 2008 Network Power: The Social Dynamics of Globalisation, Yale University Press, New Haven.
- R. Silverstone and E. Hirsch (eds) 1992 Consuming Technologies: Media and Information in Domestic Spaces, Routledge, London.
- United Nations Development Programme, 2000-2010 Human Development Reports
- UN Documents, 2000-2010 Committee on Economic, Social and Cultural Rights Reports
- Brij Tankha (Ed.) 1995 Communications and Democracy, Southbound, Cendit.
- South Commission 1990 The Challenge to the South: The Report of the South Commission, South Commission.
- Thijis de la Court 1991 Different Worlds: Environment and Development Beyond the 90s, International Books, Utrecht.
- C. Raj Kumar & K. Chockalingam (eds) 2007 Human Rights, Justice, & Constitutional Empowerment, Oxford University Press, Delhi.

- Colin Gonsalves, Vinay Naidoo & Others (eds) 2008 Right to Food vol 1, Human Rights Law Network, Delhi.
- S. P. Sathe, 2002, Judicial Activism in India: Transgressing Borders and Enforcing Limits, Oxford University Press, Delhi.
- B N Kripal, Ashok H. Desai, Gopal Subramanium, Rajeev Dhavan and Raju Ramchandran (eds), 2000, Supreme But Not Infallible, Oxford University Press, Delhi.
- Charles Epp, 1998, The Rights Revolution: Lawyers, Activists and Supreme Courts in Comparative Perspective, University of Chicago Press, Chicago.
- W. Mazzarella 2003 Shoveling Smoke: Advertising and Globalisation in Contemporary India, Duke University Press, Durham.
- Michael Traber 1985 Alternative Journalism, Alternative Media, Communication Resource, Phillippines.
- P. Sainath 1996 Everybody loves a good drought: stories from India's poorest districts, Penguin Books, Delhi.
- Jeremy Seabrook 1995 Notes from Another India, Pluto Press, London.
- Azeez Mehdi Khan 1997 Shaping Policy: Do NGOs Matter: Lessons from India, PRIA, New Delhi.
- Deepa Narayan, Robert Chambers, Meera K. Shah, Patti Petesch (eds.) 2000 Voices of the Poor: Crying Out for Change, Oxford University Press, New York.
- Carolyn M. Elliott (ed), 2003, Civil Society and Democracy: A Reader, Oxford University Press, Delhi.
- Azeez Mehdi Khan, 1997, Shaping Policy: Do NGOs Matter ?: Lessons from India, PRIA, Delhi.
- Sudipto Kaviraj& Sunil Khilnani (eds) 2002, Civil Society: History and Possibilities, Cambridge University Press, Delhi.
- Mukul Sharma (ed), 2003, Improving People's Lives: Lessons in Empowerment from Asia, SAGE, Delhi.
- M.P. Parameswaran, 2005, Empowering People: Insights from a Local Experiment in Participatory Planning, Daanish Books, Delhi.
- Robin Jeffrey and Assa Doron, 2013, Cellphone Nation: How Mobile Phones have Revolutionized Business, Politics and Ordinary Life in India, Hachette India, Gurgaon.
- D Singh Grewal, 2008, Network Power: the Social Dynamics of Globalisation, Yale University Press, New Haven.
- V. Sridhar, 2012, The Telecom Revolution in India: Technology, Regulation and Policy, Oxford University Press, Delhi.
- P.N. Thomas, 2012, Digital India: Understanding Information, Communication and Social Change, SAGE, Delhi.
- John Downing, Mohammadi Ali and Annabelle Sreberny-Mohammadi 1990 Questioning the Media: A Critical Introduction, Sage, London.
- Carolina G. Hernandez, Werner Pfennig (eds.) 1991 Media and Politics in Asia: Trends, Problems and Prospects, University of Philippines and Friedrich Naumann Foundation.
- Judith Lichtenbergy 1991 Democracy and the Mass Media, Cambridge University Press, UK.
- Sarai Reader 1 2001 The Public Domain, CSDS, Delhi.
- Sarai Reader 4 2004 Crisis/Media, CSDS, Delhi.
- David Barsamian and Noam Chomsky 2001 Propaganda & the Public Mind, Madhyam Books, Delhi.

दसवाँ प्रश्नपत्र — न्यू मीडिया पत्रकारिता — 100

(सिद्धांत : 60 प्रायोगिक : 40)

उद्देश्य

☞ अंकीय सूचना आकार-प्रकार और उनके प्रयोग और क्षेत्र की समझ विकसित करना।
☞ प्रशिक्षार्थियों को वेब प्लेटफॉर्मों के लिए लिखने में दक्ष बनाना।

खंड-1 — न्यू मीडिया का परिचय — 15

- बेसिक हार्डवेयरः इनपुट-आउटपुट डिवाइसेस, प्रोसेसिंग, स्टोरेज डिवाइसेस, एक्सट्रा परिफरल्स (कम्प्यूटर के अन्य साधन)
- साफ्टवेयर का प्रयोग (एप्लिकेशन साफ्टवेयर) : वर्ड प्रोसेसिंग, स्प्रैडशीट, डाटा बेस, ग्राफिक्स, इमेंज एडिटिंग
- इंटरनेट का परिचय, वर्ल्ड वाइड वेब (www), सर्च इंजन
- न्यू मीडिया उद्योग का परिदृश्य
- वेब डिज़ाइनिंग का परिचयः नेविगेशन की भूमिका, रंग, पाठ, छवियाँ, हाइपर लिंक्स, मल्टीमीडिया के तत्व और इंटरेक्टिविटी
- वेब कंटेंट प्रबंधन तंत्र, वर्डप्रेस/जूमला
- पत्रकारों के लिए अंकीय साधन (डॉक्यूमेंट क्लाउड, ओवरव्यू, टाइम लाइन्स, वर्डले, आदि)
- ओपन सोर्स संस्कृति और सॉफ्टवेयर का परिचय, ओपन सोर्स लाइसेंस (क्रिएटिव कॉमन्स)
- अंकीय प्रौद्योगिकी के उपयोग में सुरक्षा के मुद्दे (मेलवेयर, फिशिंग, पहचान की चोरी)

खंड-2 — न्यू मीडिया पत्रकारिता — 15

- कंनवर्जेंस और पत्रकारिता
- माध्यम के रूप में इंटरनेट की अवधारणा और विकास
- वेब पर समाचार : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, रेडियो और टेलीविजन के वेब पर समाचार प्रसारण
- समाचार प्रसारण के नये साधन, एकीकृत समाचार कक्ष
- पत्रकार के लिए चुनौतियाँ और अवसर : गेट कीपर से समाचार मार्गदर्शक तक
- आंकड़ों की पत्रकारिताः क्यूटर अस्सिस्टेड रिपोर्टिंग (CAR), आँकड़ों का विजुएलाइज़ेशन, ओपन सोर्स डाटा संग्रहण और विश्लेषण
- अंकीय विपणन की तकनीकों के बारे में जागरूकताः सर्च इंजन ओप्टिमाइज़ेशन, सर्च इंजन विपणन और ई-मेल विपणन

खंड-3 — सामाजिक मीडिया और नागरिक पत्रकारिता — 15

- न्यू मीडिया और सोशल नेटवर्क : उपकरण और मुद्दे; सामाजिक प्रोफाइल प्रबंधन के उत्पादों का परिचय - फेसबुक, लिंक्डिन.
- सामाजिक भागीदारीः वर्च्युअल समुदाय - विक्कीस, ब्लॉग, तुरत संदेशन, कोलोबोरेटिव कार्यालय और क्राउड सोर्सिंग
- सामाजिक प्रकाशनः फ्लिकर, इंस्टाग्राम, यू ट्यूब, साऊंड क्लाउड
- नागरिक पत्रकारिता की अवधारणा और मॉडल
- ब्लॉगिंग; ब्लॉगों का संक्षिप्त इतिहास, ब्लॉग नेरेटिव के रूप में, पत्रकारों और ओपिनियनिस्ट के रूप में ब्लॉगर

खंड-4 **न्यू मीडिया के लिए लेखन** **15**

- डिजिटल स्टोरी फॉरमेट
- कंटेंट लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग और उसका प्रबंधन
- वेब रिपोर्ट का खाका
- विभिन्न वितरण माध्यमों के लिए कंटेट
- मल्टीमीडिया और इंटरेक्टिविटी
- हाइपर लिंक्स के साथ लेखन
- कंटेंट प्रबंधन और कंटेंट प्रबंधन तंत्र
- स्टोरीबोर्डिंग और प्लानिंग
- वेब पृष्ठों की प्लानिंग और डिज़ाइनिंग, ब्लाग, ई-समाचार पत्र, ई-पत्रिका, समाचार वेबसाइट
- मोबाइल स्टोरी फॉरमेट
- मोबाइल फोन पर संपादन
- मोबाइल पत्रकारिता में नैतिकता और बेहतर व्यवहार के उदाहरण
- मोबाइल पत्रकारिता की सीमाएं
- मोबाइल फोन के जरिए फिल्मांकन

व्यवहारिक **40**

- ☞ ब्लॉग लेखन
- ☞ वेब पेज डिज़ाइनिंग (समूह अभ्यास)
- ☞ ई-जर्नल का विकास (समूह अभ्यास)
- ☞ फेस बुक पर पृष्ठ बनाना और उसका रखरखाव

संदर्भ पुस्तक सूची :

- New Media Cultures, P. David Marshall, Oxford University Press, 2004
- The New Media handbook, Andrew Dewdney and Peter Ride, Routledge, 2006
- Video blogging & Podcasting, Lionel Felix &DameinStolarx, Focal Press, 2006
- New Communication Technologies, Michael Mirabito, Barbara L. Morgenstern, Focal Press, 2004
- The New Digital Age, Eric Schmidt & Jared Cohen 2013
- Journalism Online, Mike Ward, Focal Press, 2002
- Producing Online News: Stronger Stories, Ryan M Thornburg, CQ Press, Washington, 2011
- Online Journalism, A Critical Primer, Jim Hall, Pluto Press, London, 2001